B.A.- II (CBCS Pattern) Sem-IV

BA12B-4 : Pali Literature (पालि वाङ्मय)

P. Pages : 4 **GUG/W/22/12068**

Time : Three Hours * 0 0 1 2 * Max. Marks : 80

सुचना :- 1. सर्व प्रश्न अनिवार्य आहेत.
सभी प्रश्न अनिवार्य है।
2. स्वीकृत माध्यमातून उत्तरे लिहा.
स्विकृत माध्यम में उत्तर लिखिए।

1. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**
ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।

अथ खो सारिपुत्तो परिब्बाजको येन मोगल्लानो परिब्बाजको तेनुपसङ्कमि। अद्दसा खो मोग्गल्लानो परिब्बाजको सारिपुत्तं परिब्बाजकं दूरतो व आगच्छन्नं, दिस्वान सारिपुत्तं परिब्बाजकं एतदवोचं विप्पसन्नानि। खो ते, आवुसो, इन्द्रियानि परिसुध्दो छविवण्णो परियोदासो। कच्चि नु त्वं, आवुसो, अमत्तं अधिगतो" ति? आमावुसो, अमत्तं, अधिगतो ति। यथा कथं पन त्वं, आवुसो, अमतं अधिगतो ति? इधाहं, आवुसो, अद्दसं अस्सजि भिक्खु राजगहे पिण्डाय चरन्तं पासादिकेन अभिक्कन्तेन पे इरियापथसम्पन्नं दिस्वान मे एतदहोसि - 'ये वत लोके अरहन्तो वा अरहन्तमग्गं वा समापन्ना अयं ते सं भिक्खु अञ्ञतरो। यन्नूनाहं इमं भिक्खु उपसङ्कमित्वा पुच्छेय्यं - 'कंसि त्व, आवुसो धम्म रोचेसी' ति।

किंवा / अथवा

अथ खो भगवा ते भिक्खु आमन्तेसि "मुत्ताहं, भिक्खवे, सब्बपासेहि, यं दिब्बा ये च मानुसा। तुम्हे पि, भिक्खवे, मुत्ता, सब्बपासेहि, ये दिस्वा ये च मनुसा चरथ भिक्खवे, चारिकं बहुजन हिताय बहुजन सुखाय, लोकानुकम्पाय अत्थाय हिताय सुखाय देवमनुस्सानं। मा एकेन व्दे अगमित्थ। देसेथ, भिक्खवे, धम्मं आदिकल्याणं, मज्झेकल्याणं परियोसान कल्याणं सात्थं सब्बजनं केवलपरिपुण्णं परिसुध्दं ब्रम्हचरियं पकासेथ। सन्ति सत्ता अप्परजक्खजातिका अस्सवनता धम्मस्सा परिहायन्ति भविस्सन्ति धम्मस्स अञ्ञातारो। अहं पि, भिक्खवे, येन उरुवेला सेनानिगमो 'तेनुपड्कमिस्सामि धम्मदेसनाया" ति।

ब) आदित्यपरियाय सुत्तातील तथागतांनी केलेला उपदेश तुमच्या शब्दात लिहा. **6**
आदित्यपरियाय सुत्त में तथागतने किया हुआ उपदेश तुम्हारे शब्दों में लिखिए।

किंवा / अथवा

अजपाल कथेचा सारांश सांगा.
अजपाल कथा का सार बताईए।

2. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**
ससंदर्भ अनुवाद किजिए।

एवं मे सुतं। एकं समयं भगवा राजगहे विहरति जीवकस्स कोमारभच्चस्स अम्बवने। अथ खो जीवको कोमारभच्चो येन भगवा तेनुपसङकमि; उपसंङकमित्वा भगवन्तं अभिवादेत्वा एकमन्तं निसीदि। एकमन्तं निसिन्नो खो जीवको कोमारभच्चो भगवन्तं एतदवोच - सुत्तं मेतं, भन्ते - 'समण गोतमं उद्दिस्स पाणं आरभन्ति, तं समण, गोतमो जानं उद्दिस्सकतं मंसं परिभुज्जति पटिच्चकम्मं' ति। ये ते, भन्ते, एवमाहंसु 'समणं गोतमं उद्दिस्स पाणं आरभन्ति, तं समणो गोतमो जानं उद्दिस्सकतं मंसं परिभुञ्जति पटिच्चकम्मं ति कच्चि ते, भन्ते, भगवतो, बुत्रवादिनो, न च भगवन्तं अभूतेसं

अब्भाचिक्खन्ति, धम्मस्स चानुधम्मं ब्याकरोन्ति, न च कोचि सहधम्मिको वादानुवादो गारय्हं ठानं आगच्छती" ति?

किंवा / अथवा

अथ खो भगवा सुजातं घरसुण्हं आमन्तेसि "एहि, सुजाते' ति। एवं, भन्ते। ति खो सुजाता घरसुण्हा भगवतो पटिसुत्वा येन भगवा तेनुपसङमि; उपसङमित्वा भगवन्तं अभिवादेत्वा एकमन्तं निसीदि। एकमन्तं निसिन्नं खो सुजातं घरसुण्हं भगवा एतदवोच - "सत्त खो इमा, सुजाते, पुरिसस्स भरियायो। कतमा सत्तं? वधसमा, चोरीसमा, अय्यसमा, मातासमा, भगिनीसमा, सखीसमा, दासीसमा - इमा खो, सुजाते सत्त पुरिसस्स भरियायो, तासं त्वं कतमा' ति? 'न खो अहं, भन्ते, इमस्स भगवता सङ्खित्तेन भासितस्स वित्थारेन अत्थ आजानामि। साधु मे, भन्ते, भगवा तथा धम्मं देसेतु यथाहं इमस्स भगवता सङ्खिनेनं भासितस्स। वित्थारेन अत्थं जानेय्यं ति।

ब) भद्देकरत्त सुत्ताचा सारांश लिहा. **6**
भद्देकरत्त सुत्त का सार लिखिए।

किंवा / अथवा

मज्झिमनिकाय ग्रंथाचे वैशिष्ट्ये सांगा.
मज्झिमनिकाय ग्रंथ के विशेषताए बताईए।

3. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**
ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।

1) अक्कोच्छि मं अवधि मं अजिनि मं अहासि मे।
ये च तं उपनय्हन्ति, वेरं तेसं न सम्मति॥
2) अक्कोच्छि मं अवधि मं, अजिनि मं अहासि मे।
ये च तं न उपनय्हन्ति, वेरं तेसूपसम्मत्ति॥
3) न हि वेरेन वेरानि, सम्मन्तीध कुदाचनं।
अवेरेन च सम्मन्ति, एस धम्मो सनन्तनो॥
4) परे च न विजानन्ति, मयमेत्थ यमामसे।
ये च तत्थ विजानन्ति, ततो सम्मन्ति मेधवा॥

किंवा / अथवा

1) सब्बे तसन्ति दण्डस्स सब्बे भायन्ति मच्चुनो।
अत्तानं उपमं कत्वा न हनेय्य न धातये॥
2) सब्बे तसन्ति दण्डस्स सब्बेसं जीवितं पियं।
अतानं उपमंकत्वा न हनेय्य न धातये॥
3) सुखकामानि भूतानि यो दण्डेन विहिंसति।
अत्तनो सुखमेसानो पेच्च सो न लभते सुखं॥
4) सुखकामानि भूतानि यो दण्डेन न विसंति।
अत्तनो सुखमेसानो पेच्च सो नलभते सुखां॥

ब) चित्त म्हणजे काय असे बुध्द चित्तवग्गातून सांगतात ते लिहा. **6**
चित्त याने क्या ऐसा बुध्दा चित्तवग्ग में बतलाते है वह लिखिए।

किंवा / अथवा

तण्हाचा अर्थ सांगून तण्हा मुक्तीचा मार्ग सांगा.
तण्हा का अर्थ बतलाकर तण्हा मुक्ती का मार्ग बताईए।

4. अ) विभक्ती प्रत्यय लिहा **कोणतेही एक.** **4**

विभक्ती प्रत्यय लिखिए **कोई भी एक।**

1) सब्ब 2) को 3) एत

ब) निमित्तार्थक अव्यय लिहा **कोणतेही दोन**. **2**

निमित्तार्थक अव्यय लिखिए **कोई भी दो।**

1) कर 2) सोतं

3) गम 4) लभ

क) प्रेरणार्थक क्रिया लिहा **कोणतेही दोन.** **2**

प्रेरणार्थक क्रिया लिखिए **कोई भी दो।**

1) दातुं 2) लिख

3) पच 4) कर

ड) स्वीकृत माध्यमात भाषांतर करा. **4**

स्विकृत माध्यम में अनुवाद कीजिए।

1) सा नहायिंतु नदि न गच्छति।
2) इत्थि एकं विहारं पस्सेति।
3) ताय पुत्तो कि कम्मं करोति।
4) सब्बे जना बुध्द संघ न सरणं गच्छन्ति।

इ) पालित भाषांतर करा. **4**

पालि में अनुवाद कीजिए।

1) मूले अभ्यास करतात.
   बच्चे अध्ययन करते है।
2) राहूलचे घर कोणते आहे.
   राहुल का घर कौनसा है।
3) तथागत राजधानीत जाणार.
   तथागत राजधानी में जाऐंगे।
4) ती महाविद्यालयात जात नाही.
   वह महाविद्यालय में नही जा रही है।

5. अ) टिपणे लिहा **कोणतेही दोन.** **6**

टिप्पणियाँ लिखिए **कोई भी दो।**

1) विसाखा 2) मज्झिमणिकाय

3) धम्मपद 4) विनयपिटक

ब) योग्य पर्याय निवडा. **10**

योग्य पर्याय चुनिए।

1) पालि कोणत्या धम्मग्रंथाची भाषा होय.
   पालि किस धम्मग्रंथ की भाषा है।
   अ) तिपिटक ब) अनुपिटक
   क) महावंश ड) पट्ठान

2) विनय पिटकात भिक्खुंचे नियम किती आहेत.
विनय पिटक में भिक्खू के नियम कितने है।
अ) 227 ब) 228
क) 229 ड) 230

3) बुध्दाच्या वडिलांचे नाव सांगा.
बुध्द के पिता का नाम बताईए।
अ) शुक्लोधन ब) शुध्दोदन
क) शुध्दोधन ड) सुधन

4) सारिपुत्तमोग्गलायन कोण होते.
सारिपुत्त मोग्गलायन कोण थे।
अ) बुध्द अग्र शिष्य ब) इतर शिष्य
क) परिव्राजक ड) भिक्खू

5) भरिया सुत्तात किती प्रकारच्या भरियांचा उल्लेख आहे.
भरिया सुत्त में कितनी प्रकार की भरियां का उल्लेख है।
अ) पाच ब) सहा
क) सात ड) आठ

6) धम्मपदग्रंथ कोणत्या पिटकात येते.
धम्मपद ग्रंथ किस पिटक में आता है।
अ) सुत्तपिटक ब) विनयपिटक
क) अभिधम्मपिटक ड) यापैकी नाही

7) चित्त या पालि शब्दाचा अर्थ हा आहे.
चित्त इस पालि शब्द का अर्थ यह है।
अ) मन ब) चिंता
क) चिंतन ड) चिता

8) मांसाहाराविषयीचे महत्त्वाचे सुत्तं ओळखा.
मांसाहारसंबंध का महत्त्वपूर्ण सुत्तं पहचानिए।
अ) भद्देकरसुत्तं ब) जीवकसुत्त
क) भरियासुत्तं ड) मारसुत्तं

9) सर्व जळत आहे हे सांगणारे सुत्तं कोणते.
सभी जल रहा है। यह बतानेवाला सुत्तं कौनसा।
अ) मारसुत्तं ब) अजपालकथा
क) आदित्यपरियायोसुत्तं ड) जीवकसुत्तं

10) बुध्दाने पहिला उपदेश कुठे दिला.
बुध्दने प्रथम उपदेश कहाँ दिया।
अ) राजगृह ब) सारनाथ
क) बुध्दगया ड) कोसंबी

****